

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



28 अप्रैल 2021

प्रेस विज्ञापित

साहित्य अकादेमी प्रतिष्ठित द्विभाषी लेखक, विद्वान और अकादेमी के महत्तर सदस्य प्रो. मनोज दास के दिनांक 27 अप्रैल 2021 को देहावसान पर गहरा शोक प्रकट करती है। आधुनिक ओड़िआ साहित्य के शीर्षस्थ लेखक, देश के द्विभाषी लेखकों में अग्रणी, आधुनिक भारत के मनीषियों में से एक, प्रो. मनोज दास श्रीअरविंदो साहित्य के विशिष्ट विद्वान भी थे। प्रो. मनोज दास की चालीस से अधिक प्रकाशित कृतियों में उपन्यास, कहानी-संग्रह, कविता-संग्रह और यात्रावृत्तांत शामिल हैं। हाल के वर्षों में उन्होंने स्वयं को भारत की सभी भाषाओं के मिथकों और किंवदंतियों की भूमिका पर केंद्रित किया था, जिन्होंने प्राचीन समय में भारतीय साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके शोध के प्रतिफलन में साहित्य अकादेमी ने उनके द्वारा लिखित एक महत्वपूर्ण पुस्तक *मिथ्स, लीजेंड्स कंसेप्ट्स एंड लिटरेरी एंटीक्विटिज ऑफ इंडिया* का प्रकाशन किया। अपने लंबे और शानदार कार्य-जीवन में प्रो. मनोज दास को अनेक पुरस्कार-सम्मानों से विभूषित किया गया, जिनमें पद्मभूषण अलंकरण, साहित्य अकादेमी की महत्तर सदस्यता, साहित्य अकादेमी पुरस्कार, ओड़िशा साहित्य अकादमी पुरस्कार, वेद व्यास सम्मान, सरला पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, प्रथम श्रीअरविंदो पुरस्कार और मिस्टिक कलिंग साहित्य पुरस्कार प्रमुख हैं। प्रो. मनोज दास को अनेक विश्वविद्यालयों से भी सम्मानित किया गया—उन्हें पाँच विश्वविद्यालयों ने डी. लिट. की उपाधि प्रदान की तथा वे बहरामपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमरिटस थे। वे श्रीअरविंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन में अंग्रेजी साहित्य और दर्शन का अध्यापन करते थे। प्रो. मनोज दास ने अपने ओड़िया और अंग्रेजी लेखन के माध्यम से संपूर्ण भारत के लेखकों की अनेक पीढ़ियों के जीवन और साहित्य को समृद्ध किया। साहित्य अकादेमी ऐसे विशिष्ट लेखक को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

(के. श्रीनिवासराव)